

मूल : अर्थात् से. 5, 7, 8, 9
 अनुपस्थित रहने से उनके
 एक पक्षीय कार्यवाही अमल
 में लंबा जाती है। अर्थात्
 से. 1, 3, 6, 4 को अतल
 से अलग किया जाता है।
 एवं अर्थात् से. 2, 2/1, 2/2
 को उप होने हेतु अंतिम
 अंतरा दिया जाकर प्रशासनी
 दि 19/11/2022 को पैरा है।

उपखण्ड अधिकारी
 भीरगढ़, भीलवाड़ा

1-3-22

प्रशासनी आज अर्थात् को
 प्र. पत्र शीघ्र शुभतापी को
 प्र. पत्र पर नलन कि एवं।
 प्रशासनी तानों अतल/अर्थात्
 अंततः दि 22-3-2022 को
 पैरा है।

उपखण्ड अधिकारी
 भीरगढ़, भीलवाड़ा

2/3/22

प्रशासनी पैरा हुई। वकील
 अर्थात् व अर्थात् उपर। वकील
 तादी/अर्थात् द्वारा प्रकृत
 प्र. पत्र अंतिमता द्वारा
 09 निधम 09 व धारा
 15। पर अतः अंतिम
 गई। वकील अर्थात् कि
 अंतरा पर मनम किया
 एवं प्रशासनी में प्रस्तावित
 एवं अंत अंततः बाद
 का जारी है से अंततः
 किया। उपरोक्त विवेचन

~~के परिणाम 2011~~ ~~प्राची~~
~~द्वारा प्रकृत प्र.पत्र~~
~~अनुसंधान द्वारा 09 फ़रवरी~~
~~अधीकार किया जाकर~~
~~बादी का वादपत्र 110/14~~
~~(09/2011) को पुनः अख्तार~~
~~पर लिखे जाने के साथ~~
~~अंतरिम होने से पूर्व वादपत्र~~
~~कि किया गया है पुनः~~
~~प्रारम्भ कि जाते हैं प्र.पत्र~~
~~दि 29/1/22 को पेश है।~~

उपर्युक्त अधिकारी
 हमीरगढ़, जिलाकाड़ा

29/1/22

~~प्राप्त की पीका दुर्गा / तकील~~
~~प्राची व अजाची उप. प्र.पत्र~~
~~0-9-09 अधीकार होने से~~
~~मौजूदा से प्र.पत्र का अंश~~
~~नहीं रह जाता है। प्राप्त केवल~~
~~सुमार होकर तकील प्राप्त है।~~

उपर्युक्त अधिकारी
 हमीरगढ़, जिलाकाड़ा